साइंस डे पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में कार्यक्रम आयोजित

स्कूलों के 60 स्टूडेंट्स ने अंतरिक्ष को समझा

साइंस डे पर आईआईटी इंदौर में स्टूडेंट्स को विजिट कराई गई।

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

रात-दिन क्यों होते हैं। अंतरिक्ष में कितने तारे हैं। ये तारे इतने दूर होने के बाद भी हमें दिखाई क्यों देते हैं। इस तरह के प्रश्न इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर में शहर के स्कूली स्टूडेंट्स कर रहे थे। गुरुवार को नेशनल साइंस डे पर संस्थान में शहर के स्कूलों के 60 स्टूडेंट्स पहुंचे थे। प्रोफेसर्स ने उन्हें बताया कि मूवमेंट के कारण हमें रात और दिन का अहसास होता है। तारों को लेकर स्टूडेंट्स को बताया गया कि ब्रह्मांड में कितने तारे हैं, इसका सिर्फ अनुमान लगाया गया है, लेकिन छोटे-बड़े ऐसे कई तारे हो सकते हैं जो हमारी पृथ्वी से भी बड़े हैं। संस्थान में क्विज का आयोजन भी किया गया। इसमें 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स ने केमिस्ट्री, साइंस और मैथ्स से संबंधित सवालों के जवाब दिए। स्टूडेंट्स को केमिकल क्रियाएं भी बताई गईं, जिसमें भारी सामान को पानी के ऊपर तैरता हुआ दिखाया गया।

जिस क्षेत्र में रुचि है उसमें असीमित संभावनाएं

प्रोफेसर्स से स्टूडेंट्स ने कॅरियर संबंधित सवाल पूछे। एक स्टूडेंट ने पूछा कि इंजीनियरिंग के किन क्षेत्रों में कॅरियर बनाना बेहतर है। इस बारे में प्रोफेसर ने जवाब दिया कि जिस भी विषय में रुचि है उसमें कॅरियर की असीमित संभावनाएं है। संस्थान के डॉ. राजेश कुमार ने दैनिक जीवन में साइंस के होने वाले प्रभाव बताए। संस्थान के प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार सिंह ने हीलियम भवन में स्टूडेंट्स को जहां केमिस्ट्री के प्रयोग बताए गए, वहीं प्रोफेसर आशीष कुमार ने मैथ्स से होने वाले कैल्कुलेशन की प्रक्रिया को समझाया। मैजिक विद नंबर्स के तहत बताया गया कि कैसे रोजमर्रा की दिनचर्या में हम बड़े से बड़े कैल्कुलेशन कुछ सेकंड में कर देते हैं। क्विज और पजल्स के विजेता स्टूडेंट्स को उपहार भी दिए गए।

इनहाउस कॉन्फ्रेंस में बायोमटेरियल से एनर्जी बनाने की विधि बताई

नेशनल साइंस डे के दिन ही सुबह संस्थान में इन हाउस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें स्टूडेंट्स ने फोटो केमिस्ट्री, आर्गेनिक केमिस्ट्री और बायोमटेरियल्स के बारे में चर्चा हुई। स्टूडेंट्स ने बताया कि बायोमटेरियल्स एनर्जी बनाई जा सकती है। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर ने की। केमिकल सेंसर, एंटीबायोटिक्स और बैटरी बनाने की विधि पर चर्चा की गई।

Nai Dunia (Indore), 1st March 2019, Nai Dunia Live, Page-15